lems and insurgency in the North-Eastern region.

— Frequent power shutdown in Eastern region affected artificial lift operations.

(c) The steps taken by the Government to increase indigenous production of crude oil including production from the North-Eastern region are—

—Deveplopment of new fields and additional development of existing fields.

—Implementation of Enhanced Oil Recovery (EOR) Schemes and extension of some of EOR schemes from pilot scale to full scale field application.

—Implemenation of certain specialised technology such as extended reach drilling, horizontal and drain hole drilling.

—Obtaining the service of international experts wherever considered necessary.

—Maintenance of reservior health through workover operations, pressure maintenance methods.

—Encouraging the participation of private/joint venture compaines in the oil exploration and development programmes.

—3-D seismic surveys of the fields for better reservoir delineation.

—Application and optimisation of artificial lift operations.

—Stimulation of wells.

—Installation of gas lift compressors in Rudrasagar, Lakwa and Geleki fields.

—Execution of sand control/water shut off jobs.

—Augmentation of power supply in the North-Eastern region through installation of gas turbines and 33/11 KV sub-station.

—Revival of non-flowing oil wells by charter hiring of additional workovers rigs.

—Installation of Early Production Systems (EPS) in new fields.

डीजल तथा मिट्टी के तेल के मूल्यों में वृद्धि के कारण घाटा

1982. **श्री नरेन्द्र मोहन:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने प्रधान मंत्री कार्यालय को देश में डीजल तथा मिट्टी के तेल के मूल्यों में वृद्धि किए जाने की आवश्यकता से अवगत करवा दिया है; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान सरकार को डीजल तथा मिट्टी के तेल के वर्तमान मूल्यों के कारण कितना घाटा हुआ और इस मद में कितनी राजसहायता/अनुदान दिया गया है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री टी० आर० बालू): (क) और (ख) सरकार पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्यों का प्रशासन तेल पूल लेखे की व्यवस्था के माध्यम से करती है। 31.3.97 की स्थिति के अनुसार तेल लेखे से तेल कंपनियों की संचयी बकाया राशि 15,500 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। तेल पूल लेखे की स्थिति की सतत आधार पर निगरानी की जाती है और सरकार तेल पूल लेखे में घाटे को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न विकल्पों का पता लगा रही है। पिछले तीन वर्षों के दौरान डीजल (एच एस डी) और मिट्टी का तेल (एस के ओ) पर अनुमानित राजसहायता निम्नानुसार थी:

(करोड़ रुपए)

उत्पाद	1993-94	1994-95	1995-96
एच एस डी	575	430	2180
एस के ओ (घरेलू)	3773	3740	4190

Oil and Gas search at Haldwani

1983. SHRI AKHILESH DAS: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that ONGC has initiated a massive hunt for oil and gas near Haldwani in Tanakpur district of